

वश्व हदि दविस 2025

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

अंतरराष्ट्रीय मंच पर हदि की उपस्थितिबिद्वाने के लयि प्रतविरष 10 जनवरी को वश्व हदि दविस [मनाया जाता है](#)।

■ वश्व हदि दविस का परचिय:

- यह तथिविरष 1949 के उस ऐतहासकि पल को याद दलाती है, जब [संयुक्त राष्ट्र महासभा \(UNGA\)](#) में पहली बार हदि बोली गई थी।
- वर्ष 1975 में प्रथम [वश्व हदि सम्मेलन का](#) उद्घाटन प्रधानमंत्री इंदरिा गांधी ने कयिा, जो हदि को वैश्वकि मान्यता दलाने की दशिा में एक महत्त्वपूर्ण कदम था।
- 10 जनवरी 2006 को मनाया जाने वाला वश्व हदि दविस, 14 सतिंबर को मनाए जाने वाले हदि दविस से भनिन है, क्यौंक हदि दविस वर्ष 1949 में हदि को भारत की आधिकारकि भाषाओं में से एक के रूप में अपनाए जाने का प्रतीक है।

■ महत्त्व:

- 600 मलियन से अधिक भाषाओं के साथ हदि वश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, साथ ही भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।
- यह दविस वैश्वकि संचार भाषा के रूप में हदि के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लयि मनाया जाता है।

■ वश्व हदि दविस 2025 की थीम:

- वश्व हदि दविस 2025 की थीम है “हदि एकता और सांस्कृतकि गौरव की वैश्वकि आवाज़”, जो हदि के माध्यम से भाषाई आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और सांस्कृतकि गौरव को बढ़ावा देने पर केंद्रति है।

■ हदि की संवैधानकि स्थिति:

- [संवधान के अनुच्छेद 343 के](#) अंतरगत हदि को आधिकारकि उद्देश्यों के लयि अंगरेज़ी के साथ [भारत की आधिकारकि भाषा के रूप में मान्यता प्रापत है](#)।
- इसे [8वीं अनुसूची](#) में भी सूचीबद्ध कयिा गया है, जसिमें आधिकारकि प्रयोग के लयि मान्यता प्रापत 22 भाषाएँ शामिल हैं।

और पढ़ें...

[हदि दविस 2024](#)